# तीन इच्छाएं

हेरिएट

# तीन इच्छाएं

हेरिएट

PUFFIN BOOKS

# सुबह की इच्छा

मैं बाहर तलैया में मछली

पकड़ना चाहता हूँ.

मैं मछली पकड़ने वाली बंसी को
पानी में डालना चाहता हूँ.
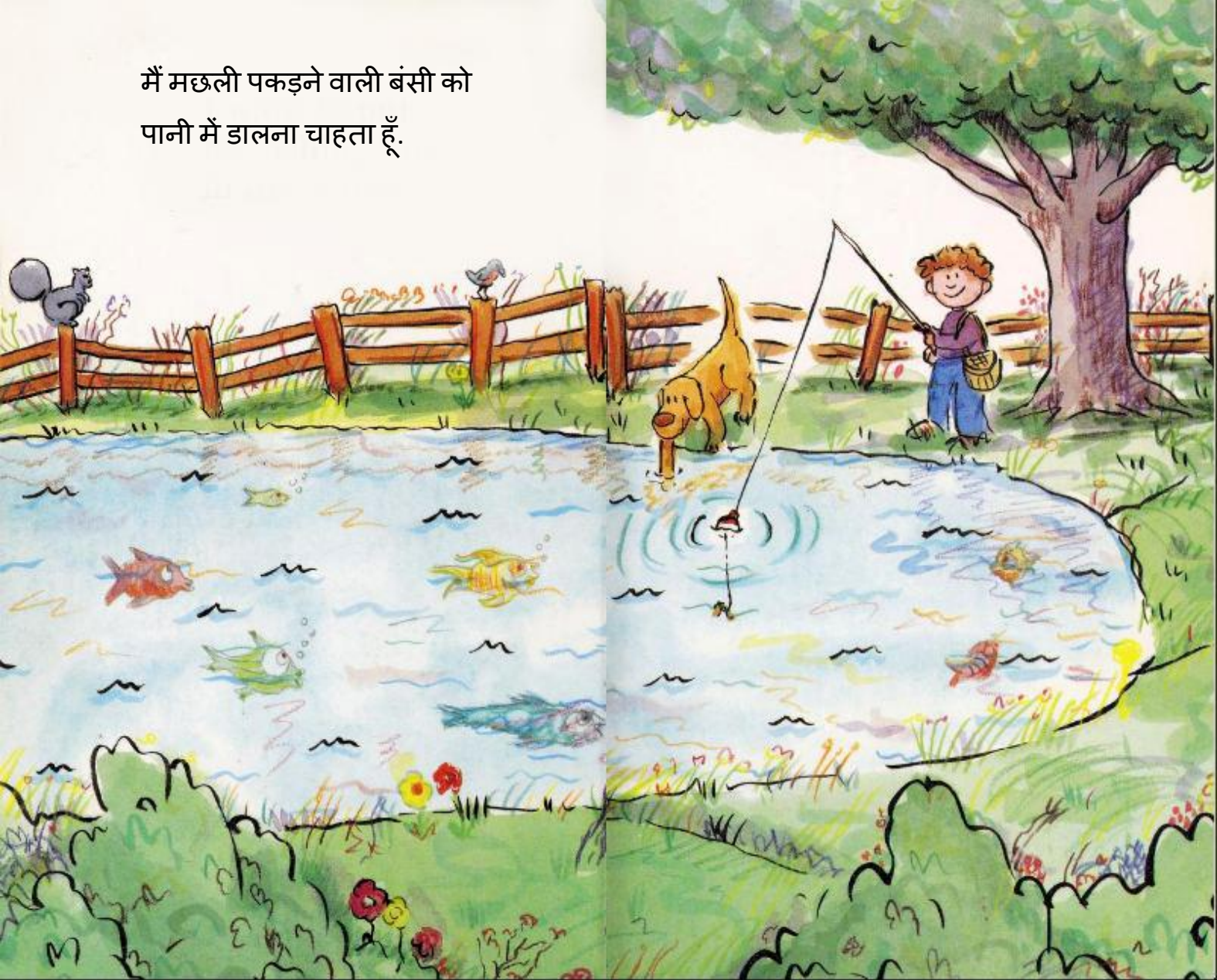
फिर मैं  खींचना चाहता हूँ...

खींचना चाहता हूँ...

ज़ोर से खींचना चाहता हूँ.
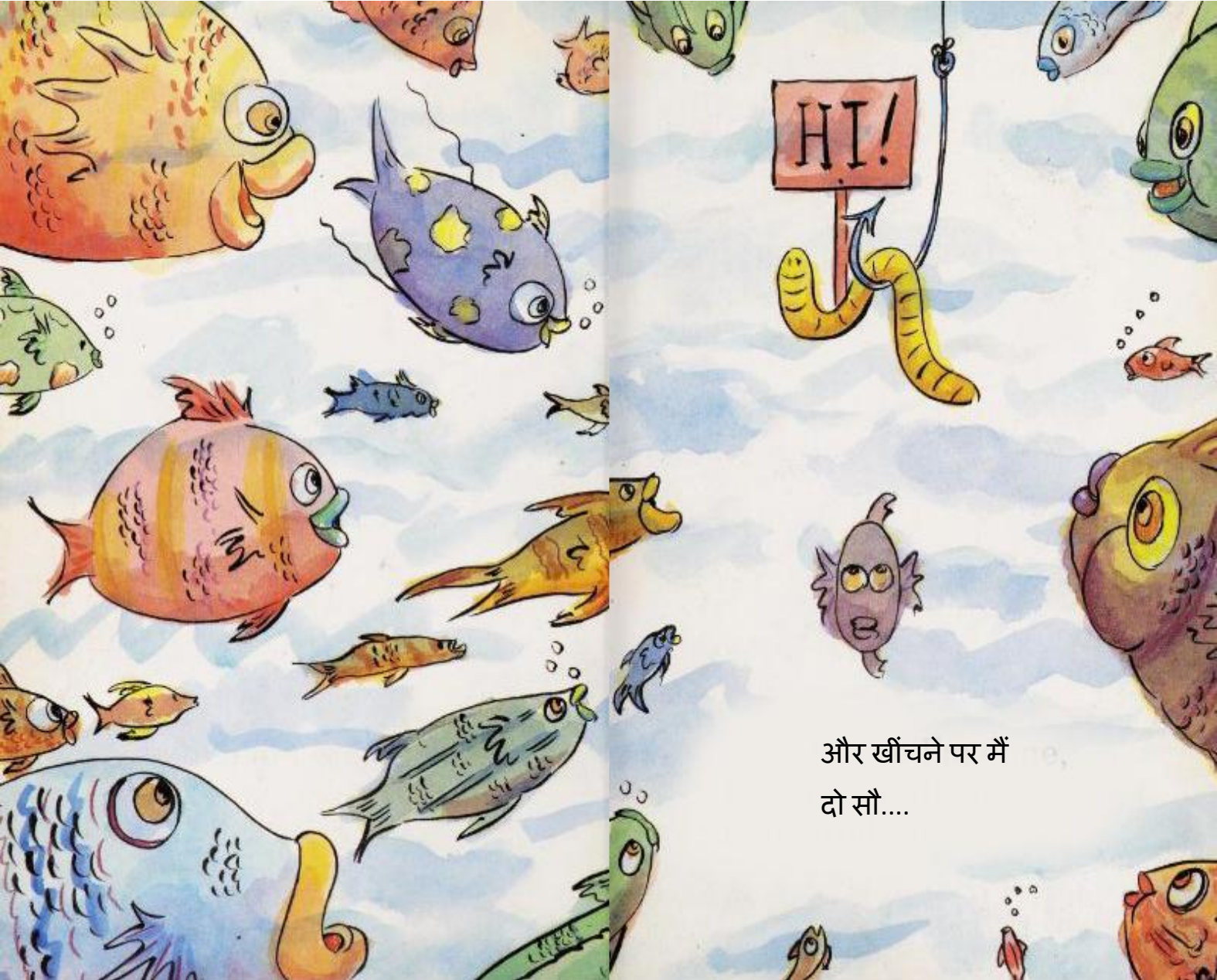
और खींचने पर मैं
दो सौ....

बाईस मछलियां पाना चाहता हूँ.

## दोपहर की इच्छा

मैं किचन का

मालिक बनना चाहता हूँ.

मैं अपनी मर्ज़ी के मुताबिक़
खाना चाहता हूँ.

खाने की मेज़ पर बैठकर

मैं सबसे पहले किशमिश

और मूंगफली खाऊंगा.

अंत में आलू के चिप्स

और पिज़्ज़ा खाऊंगा.
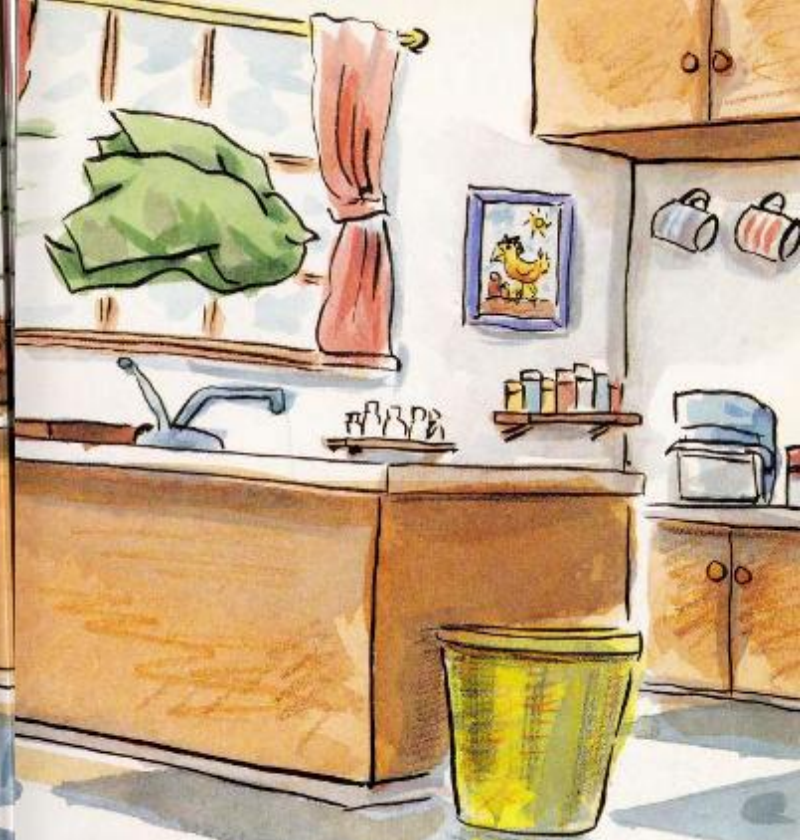
खाना ख़त्म करने के बाद मैं

अपना नैपकिन फेंक दूंगा

और......

मुंह को अपनी कमीज की
आस्तीन से पोछूँगा.

## रात की इच्छा

मैं अपनी खिड़की के बाहर खड़े
सेब के पेड़ पर चढ़ना चाहता हूँ.

मैं रात को उस पेड़ पर
चढ़ना चाहता हूँ......
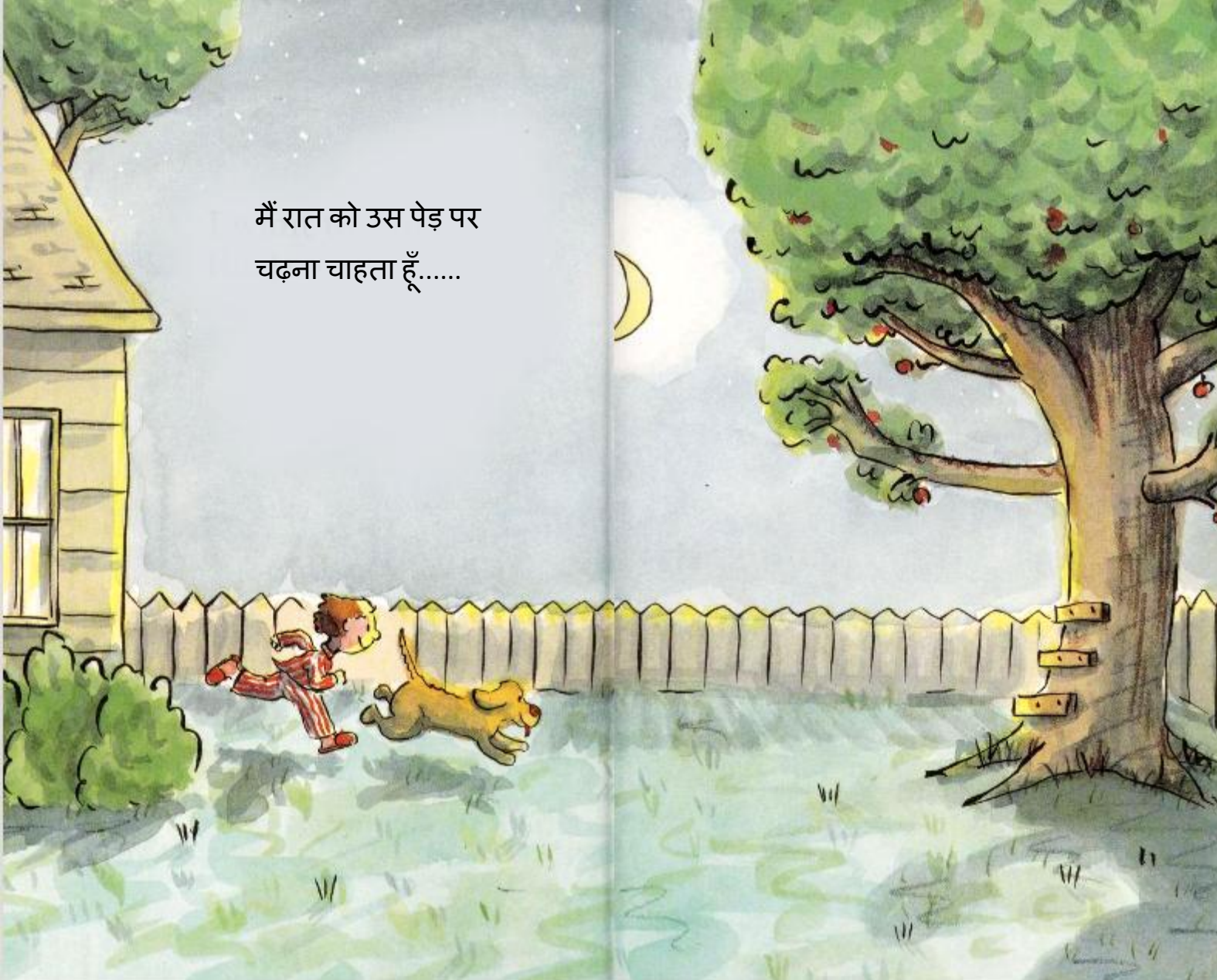
फिर मैं उस पेड़ के सेब चखना चाहता हूँ......
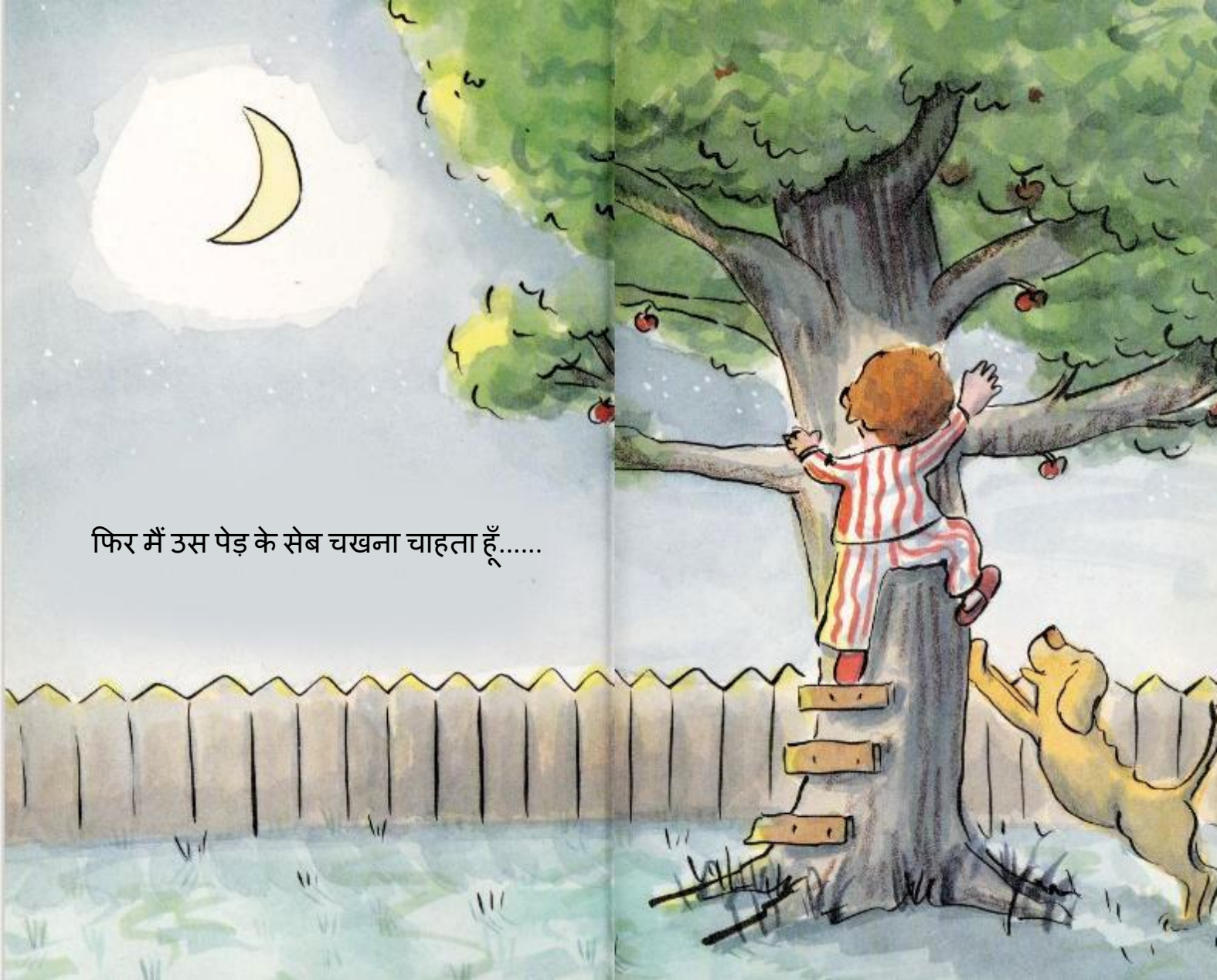
और साथ में चन्द्रमा को भी चखना चाहता हूँ......
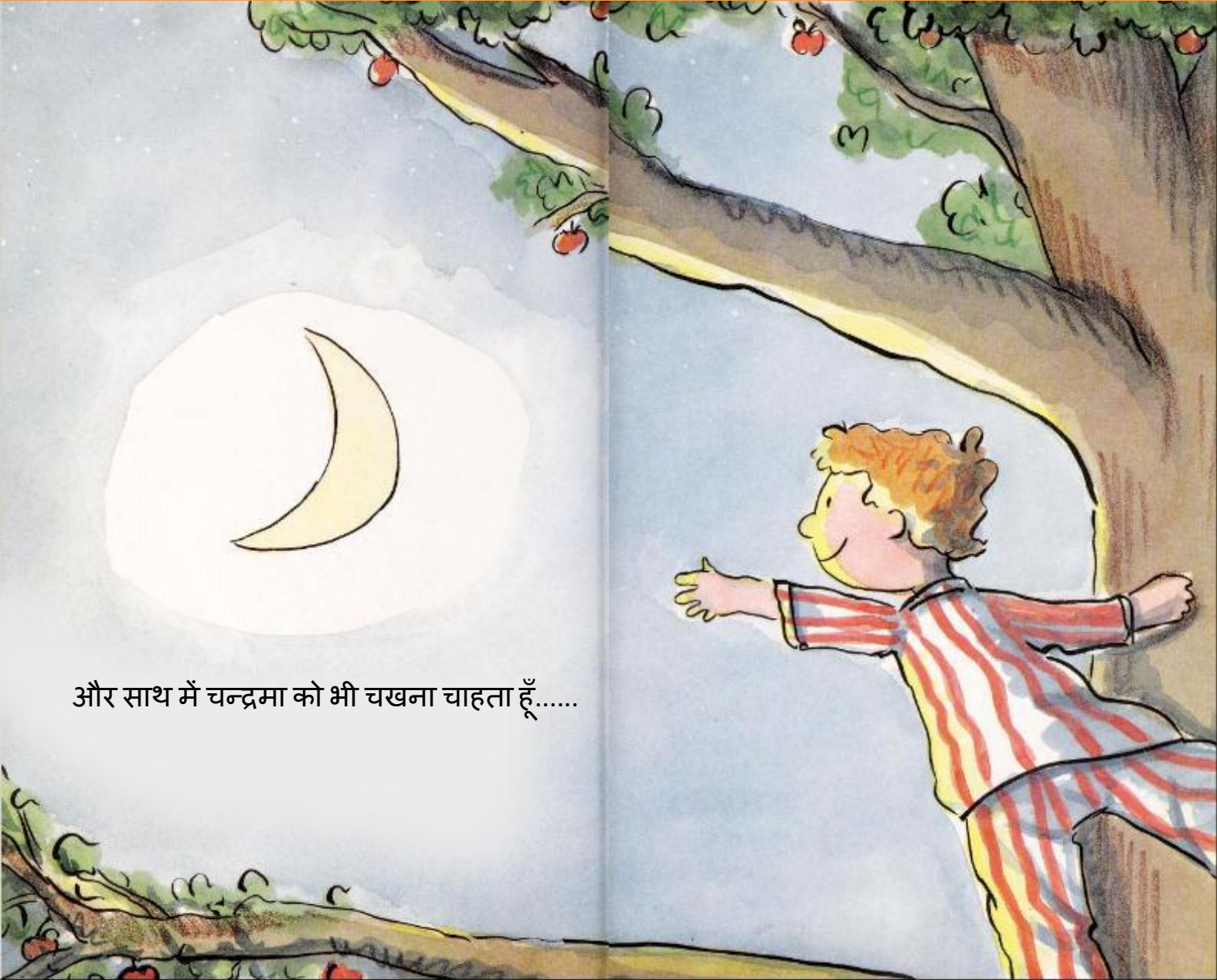
बाद में मैं पलंग पर सोने जाऊँगा.

तब मेरी एक जेब सेबों से भरी होगी .....

समाप्त